स्वच्छता गीत

आओ स्वच्छता पाठ पढ़ें,
घर और बाहर स्वच्छ रहें,
स्वच्छ रखें हम, स्वच्छ रहें हम।

बीमारियों को दूर भगायें,
रोज नहायें, रोज नहायें।
बाल और नाखून, काटें हम,
स्वच्छ रखें हम, स्वच्छ रहें हम।

हाथ धोने की आदत डालें,
खाने के बाद हो या पहले।
या आयें खेलकूद के हम,
स्वच्छ रखें हम, स्वच्छ रहें हम।

अलग ब्रश और अलग तौलिया,
अलग हो बिस्तर, साफ हों कपड़े।
और ना नंगे पाँव चलें हम,
स्वच्छ रखें हम, स्वच्छ रहें हम।

सही जगह पर डालें कूड़ा,
चाहे जैविक या अजैविक।
कीटाणुओं से मुक्त रहें हम,
स्वच्छ रखें हम, स्वच्छ रहें हम।

राज्य परियोजना कार्यालय
सर्व शिक्षा अभियान उत्तराखण्ड, देहरादून।

कविता : **दिव्या झिंक्वाण नेगी**, स. अ.
चित्राकंन : **राजेन्द्र लाल**, प्रवक्ता